

प्रा. डॉ. वायू. बी. घुमाळ

एम्. ए. पीएच्. डी.

रीडर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,

वेणुताई चव्हाण कॉलेज, कराड.

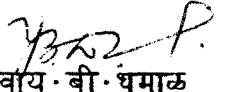
जि. सातारा § महाराष्ट्र §

प्र मा ष प त्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री. राजेंद्र पिलोवा भोसले ने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्. फिल. § हिन्दी § उपाधि के लिए "कुसुम अन्सल के हिन्दी उपन्यासों का अनुशीलन" शीर्षक से प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया है। यह शोधार्थी की मौलिक कृति है। जो तथ्य इस लघु-शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किये गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं। प्रा. श्री. राजेंद्र पिलोवा भोसले के प्रस्तुत शोध-कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ। प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबन्ध कला-विद्या-शाखा (Faculty of Arts) के अन्तर्गत हिन्दी विषय से संबंधित उपन्यास साहित्य-विधा में सन्निविष्ट हैं।

कराड

दिनांक : 26.6.96


डॉ. वायू. बी. घुमाळ
शोध-निर्देशक

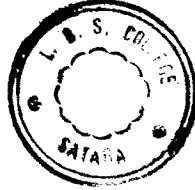
प्र मा ण प त्र

हम संस्तुति करते हैं कि इस लघु-शोध-प्रबंध को परीक्षा हेतु अंग्रेषित किया जाए।

प्राचार्य,

पुरुषोत्तम श्रेष्ठ

लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय,
सातारा,
सातारा.



सातारा

दिनांक : 25-6-1996

डॉ. गजानन सुर्वे

रीडर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय
सातारा.

अध्यक्ष


हिन्दी विभाग,
सातारा विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - ४१६००४

प्र स्था प न

यह लघु-शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्.फिल्. के लघु-शोध-प्रबंध के रूप में प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

सावळज

दिनांक : 26-6-1996


प्रा. राजेंद्र पिलोबा भोसले